दिल्ली के अस्पतालो में सरकारी छुट्टियों के दिनों में शिक्षार्थी नर्सों की ड्यूटी

2714. **श्री राम नरेश कुशवाहा :**
श्री सूरज प्रसाद :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली के विभिन्न अस्पतालो में ट्रेनिंग पाने वाली नर्सों को सरकारी छुट्टियों के दिनों में अस्पताल मे ड्यूटी देनी पड़ती है ;

(ख) यदि नही, तो लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल मे शिक्षार्थी नर्सों को ड्यूटी पर आने के लिए कहे जाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि पुरानी दिल्ली में आये दिन दंगे होते है इस पर भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के अधीक्षक ने सभी नर्सों को परिचय पत्र जारी नहीं किये हैं ; और

(घ) यदि हा, तो इसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे): (क) केन्द्रीय सरकारी अस्पतालो मे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सों को सार्वजनिक छुट्टियो को अपनी ड्यूटी पर उपस्थित नही होना होता है। लेकिन, लोकनायक जय-प्रकाश नारायण अस्पताल मे उन्हें ऐसी छुट्टियो को आधे दिन की छुट्टी दी जाती है।

(ख) उन्हें छुट्टियो को पूरे दिन की छुट्टी नहीं दी जा रही है क्योंकि ड्यूटी रोस्टर इस तरह से तैयार किया जाता है कि रोगी परिचर्या पर बुरा असर न पड़े। लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सों को एक महीने में चार दिन की छुट्टी तथा प्रत्येक रविवार और राजपत्रित अवकाश वाले दिनों को आधे दिन की छुट्टी मिलती है।

(ग) उन नर्सों को पहचान पत्र जारी किए गए थे जिन्होने इनके लिए आवेदन किया था। 1 नवम्बर, 1984 से आज तक उपचर्या स्टाफ को 223 पहचान पत्र जारी किए गए थे।

(घ) प्रश्न नही उठता।

केन्द्रीय स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा दवाइयों की खरीद

2715. **श्री राम नरेश कुशवाहा :**
श्री सूरज प्रसाद :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन, डी० डी० ए०, दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान अपने कर्मचारियों के लिए सरकारी क्षेत्र मे उपक्रमों द्वारा बनाई गई दवाइयां खरीदता है जबकि केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा निदेशालय स्थानीय कम्पनियो से दवाइयां खरीदता है ; और

(ख) क्या सरकार ने सी०बी० आई० के जरिए इस बारे मे कोई जांच कराई है कि किन कारणो से केन्द्रीय स्वास्थ्य निदेशालय स्थानीय विनिर्माताओ से दवाइयां खरीदता है ; यदि हां तो इसके क्या परिणाम है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे): (क) और (ख) चिकित्सा भण्डार सगठनो द्वारा औषधों की खरीद के संबंध मे एक लाख रुपये से अधिक कीमत की वस्तुओ के लिए पूर्ति और निपटान महानिदेशक को माग पत्र भेजे जाते हैं जो अपने पास दर्ज सूचियो से निविदाएं आमंत्रित करते है और निर्णय लेते है। इनमे सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों की यूनिटे शामिल है। जहां तक उन वस्तुओ का संबध है जिसका मूल्य एक लाख रुपये से कम होता है, उनके लिए चिकित्सा भण्डार डिपुओ मे दर्ज फर्मों

जिनमे सरकारी और निजी दोनो क्षेत्रों की यूनिटे शामिल है, से निविदाए आमन्त्रित की जाती है और निम्नतम निविदा करने वाली फर्म को आर्डर दे दिया जाता है बशर्ते कि वह निर्धारित शर्तो को पूरा करती हो। जिन वस्तुओं के संबंध में पूर्ति और निपटान महानिदेशक ने दर संविद तय कर रखी है उनके लिए इन फर्मों अर्थात् सरकारी अथवा निजी क्षेत्र की यूनिटो को सीधे आर्डर दिए जाते है।

सरकारी अनुदेशो के अनुसार केवल उन्ही औषधों के लिए सरकारी क्षेत्र की यूनिटो को सीधे आर्डर दिए जा सकते है, जो लघु उद्योग क्षेत्र में निर्मित नही की जा रही हों।

Norms for opening of Kendriya Vidyalaya in Moscow

2716. DR BAPU KALDATE: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is/are a policy/norms to govern highest class up to which a new Kendriya Vidyalaya is to be opened;

(d) if so, what are the details thereof; and

(c) whether there is any different policy to govern the same if the Vidyalaya is to be opened in a city outside India;

(d) if so, what are the details thereof; and

(e) whether this policy/norms has/have been adhered to in case of Kendriya Vidyalaya Moscow?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) and (b) The decision about the number of classes to be opened in a new Kendriya Vidyalaya is taken after a Kendriya Vidalaya Sangathan Officer has studied the feasibility on the spot.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

(e) Yes, Sir.

Cases of bharline punctuality and engine Failures under Senior Divisional Mechanical Engineer, Allahabad

2717. SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the cases of bharline punctuality is decreasing and those of engine failures are registering upward trend under the supervision of the Senior Divisional Mechanical Engineer, Allahabad;

(b) if so, what are the details of the number of such cases reported during the period from January, 1985 to June, 1987, month-wise, separately; and

(c) what is the number of cases of derailments reported in the sheds at Kanpur, Tundla and Allahabad during the above mentioned period and how much extra payment was made to the staff for attending to such derailments month-wise separately?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCIENDIA): (a) Bharline punctuality has been more or less static whereas steam engine failures has shown a marginal increase due to ageing of steam locomotives.

(b) The details are given in enclosed statements I and II (*See* below):

(c) The details are indicated in enclosed Statement—III (*See* below). Break down staff meant for attending to cases of accidents/derailments/dislocations in sheds and outside sheds is common and no separate record for payment to the staff for tackling derailments in sheds is maintained.